(ख) 'पथ-निरीक्षण' कविता में चित्रित नव-जागृति के संदेश पर विचार कीजिए।

अथवा

'चिन्ता' सर्ग के आधार पर मनु का चरित्र-चित्रण कीजिए।

★★★

2016

HINDI

(Major)

Paper : 4.1

(Chhayavad-Purva Evam Chhayavadyugin Kavyadharayen)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पठित पाठ के आधार पर पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई थी?

(ख) छायावाद का आधार क्या है?

(ग) 'झरना' काव्य-संग्रह के कवि का नाम क्या है?

(घ) 'तुलसीदास' का प्रकाशन कब हुआ था?

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त के सर्वश्रेष्ठ प्रबन्ध-काव्य का नाम क्या है?

(च) माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म कब हुआ था?

(छ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए।

(ज) सुमित्रानंदन पंत को 'कला और बूढ़ा चाँद' काव्य-संग्रह के लिए क्या पुरस्कार मिला था?

(झ) 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ञ) मनु किसका प्रतीक है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) महादेवी वर्मा की कविताओं की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) दिनकर की पठित कविता 'नारी' की भाव-भूमि क्या है?

(ग) "मैं हूँ विजित, जीत का प्यासा
विजित, भूल जाऊँ कैसे?"
इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) "वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति का आज लगा हँसने फिर से;"—यहाँ प्रकृति के मुख को 'विवर्ण' क्यों कहा गया है?

(ङ) 'कामायनी' महाकाव्य का उद्देश्य क्या है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'यशोधरा' का मूल स्वर क्या है?

(ख) महादेवी की रहस्यानुभूति पर टिप्पणी लिखिए।

(ग) "मनन करावेगी तू कितना? उस निश्चिंत जाति का जीव;
अमर मरेगा क्या? तू कितनी गहरी डाल रही है नींव।"
—संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की साहित्यिक देन पर विचार कीजिए।

(ङ) हरिऔध के जीवन और साहित्य-कर्म पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) कवि के रूप में हरिवंश राय बच्चन का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!

अथवा

विकल उर को मुरली में फूँक
प्रियक-तरु-छाया में अभिराम,
बजाया हमने कितनी बार
तुम्हारा मधुमय 'राधा' नाम।

(ख) आह सर्ग के अग्रदूत! तुम असफल हुए, विलीन हुए;
भक्षक या रक्षक, जो समझो, केवल अपने मीन हुए।

अथवा

मिले कहीं वह पड़ा अचानक उसको भी न लुटा देना;
देख तुझे भी दूँगा तेरा भाग, न उसे भूला देना!

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) पठित कविताओं के आधार पर माखनलाल चतुर्वेदी के राष्ट्रप्रेम और आत्मोत्सर्ग की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'नौका-विहार' कविता के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।